दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–5)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/22 (J-A)–M–**GSM (M-I)-2205**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Mithlesh Kumari Meena **Mobile Number:** ______

Medium (English/Hindi): ______ **Reg. Number:** ______

Center & Date: ______ **UPSC Roll No.** ***(If allotted)*****:** ______

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

1. अल नीनो और ला नीना क्या है? ला नीना भारत में मौसम की घटनाओं को कैसे प्रभावित करती है? (150 शब्द) 10

What is El Nino and La Nina? How does the La Nina impact weather events in India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अल नीनो :- पूर्वी प्रशांत महासागर में दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी तट (पेरू) पर बहने वाली गर्म जलधारा है।

ला नीना :- दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी तट पर बहने वाली ठंडी जलधारा। ~~जिसके विस्तार के कारण~~

पेरू के तट पर ठण्डी जलधारा का प्रवाह होता है किन्तु 6-7 वर्षों में एक बार यहाँ गर्म जलधारा बहती है जिसे अल नीनो कहते हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण अल नीनों का समयांतराल कम होकर 2-3 वर्ष हो गया है।

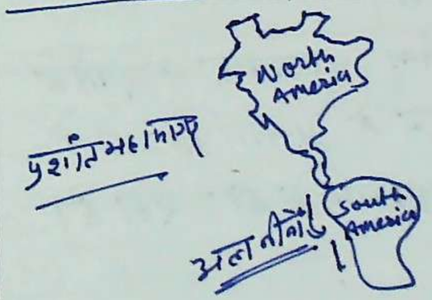

अल-नीनो से भारत की मानसूनी जलवायु प्रतिकूल रूप से प्रभावित होती है तथा वर्षा में कमी आती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

ला-नीना का भारत की मौसमी घटनाओं पर प्रभाव :-

i) ला नीना की वजह से मानसून में मजबूती आती है।

ii) भारत में इससे ~~व~~ अधिक वर्षा प्राप्त होती है जिससे बाढ़ की समस्या भी उत्पन्न होती है।

iii) ला नीना ~~का~~ प्रशांत महासागर में उत्पन्न होती है जो भारत में आने वाली दक्षिण-पश्चिमी मानसूनी हवाओं को प्रभावित करती है।

iv) ला नीना भारत की जलवायु को धनात्मक रूप से प्रभावित करती है वही अल-नीनो नकारात्मक रूप से।

~~[illegible]~~ जलवायु परिवर्तन के कारण जल चक्र के प्रभावित होने से वर्षा-चक्र भी प्रभावित हो रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

2. "हालाँकि प्रवाल भित्तियाँ समुद्र तल के एक छोटे से हिस्से को कवर करती हैं, लेकिन वे लोगों को बहुत अधिक लाभ प्रदान करती हैं।" इस संबंध में प्रवाल विरंजन और इसके प्रभाव की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

"Although coral reefs cover a tiny fraction of the ocean floor, they provide outsized benefits to people". In this regard discuss what is coral bleaching and its impact? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रवाल भित्तियाँ

⇓

इनमें कोरल पॉलिप और जूजैन्थली सहजीवी के रूप में रहते हैं। कोरल पॉलिप जूजैन्थली को आवास प्रदान करते है तथा बदले में जूजैन्थली कोरल पॉलिप को भोजन उपलब्ध कराते हैं। ये उष्ण कटिबंधीय महासागरों में पाए जाते हैं।

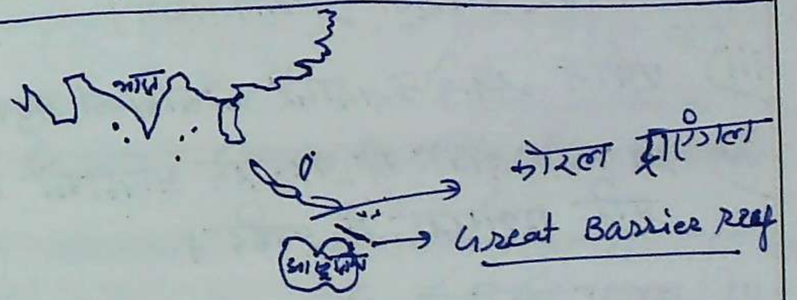

कोरल पॉलिप से लाभ :-

i) आर्थिक संसाधन → औषधि
ii) पर्यटन
iii) तटों की सुरक्षा चक्रवात तथा सुनामी से
iv) खनिज पदार्थ।
v) शोध कार्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

महासागरीय उष्मन, लवणता तथा अवसादों एवं प्रदूषण के बढ़ने से प्रवाल विरंजन की तीव्रता में वृद्धि हुई है।

प्रवाल विरंजन के प्रभाव :-

i) प्रवाल विरंजन में प्रवाल सफेद नजर आने लगते है क्योंकि वे जूजैन्थली से अलग हो जाते है।

ii) प्रवाल भित्तियाँ बहुत से समुद्री जीवों को आवास प्रदान करती है इनके विरंजन से अन्य जीवों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

iii) पर्यटन, खनिज पदार्थों औषधि की अनुपलब्धता

iv) तटीय क्षेत्रों की प्राकृतिक आपदाओं के प्रति सुभेद्यता में वृद्धि।

v) प्रवाल भित्तियों को समुद्री वर्षावन कहते है। इससे समुद्री पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

प्रवालों के संरक्षण हेतु कार्य किए जाने की आवश्यकता है ताकि समुद्री जलवायु को बचाया जा सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. "प्रत्येक गर्मी की शुरुआत के बाद से भारत के बड़े हिस्सों में लगातार हीट वेव की स्थिति दर्ज की गई है।" इस आलोक में हीट वेब को परिभाषित कीजिये तथा ऐसी तीव्र हीट वेब के कारणों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

"Severe heatwave conditions have been consistently reported over large parts of India since the beginning of each summer". In this light define heat waves and discuss the causes for such intense heat waves. (150 words) 10

हीट वेब

भारत में हीट वेब की व्याख्या

मैदानी क्षेत्रों में तापमान 40°C से अधिक होने पर तथा पहाड़ी क्षेत्रों में 30°C से अधिक के सन्दर्भ में की जाती है।

तीव्र हीट वेब के कारण

i) उत्तर पश्चिमी भारत में ग्रीष्म ऋतु में महाद्वीपीयता के कारण तापमान के अधिक होने से निम्न दाब बनता है।

ii) राजस्थान के मरुस्थल प्रदेश से गर्म हवाओं (लू) का प्रसार अन्य क्षेत्रों तक होता है।

iii) जलवायु परिवर्तन के कारण हीटवेब की आवृत्ति तथा तीव्रता में वृद्धि हुई है।

iv) शहरी क्षेत्रों में कंक्रीट के जंगल हीटवेब

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

की तीव्रता को और बढ़ाते है।

v) भारत के वृष्टिछाया प्रदेशों में भी तापमान बढ़ जाता है।

हीटवेव के प्रभाव

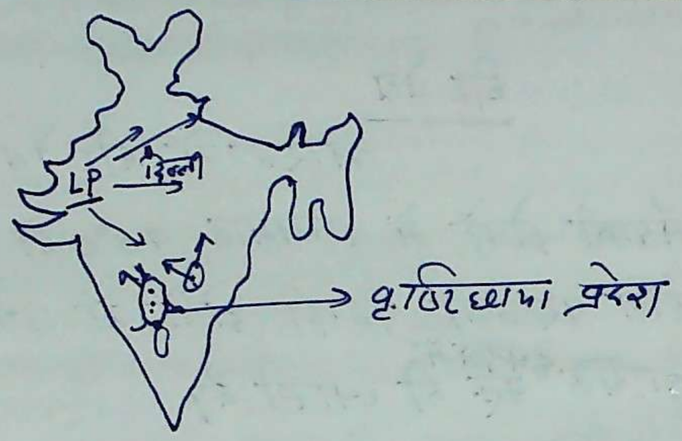

- मानव तथा पशु स्वास्थ्य पर प्रभाव
  - डिहाइड्रेशन
- फसलों तथा जैव विविधता की हानि
- जल स्रोतों का सूखना

हीटवेव से जनधन की हानि के साथ-साथ जल की कमी की समस्या का सामना पड़ता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

4. सुनियोजित शहरों का निर्माण सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषताओं में से एक था। स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

Building well-planned cities was one of the most important features of the Indus Valley Civilization. Elucidate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सिंधु घाटी सभ्यता का काल 2600 ई. पू. से 1500 ई. पू. तक माना जाता है इसका विकास वर्तमान पाकिस्तान तथा उत्तरी-पश्चिमी भारत में हुआ था।

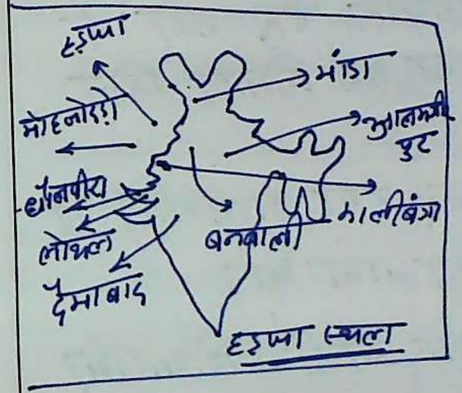

हड़प्पा सभ्यता के लोगों ने नगरों का सुनियोजित विकास तथा विशाल स्नानागार एवं भंडागारों का भी निर्माण किया था।

i) हड़प्पा सभ्यता की सड़के समकोण पर काटती थी।

ii) गंदे पानी के निकास के लिए नालियों का निर्माण किया गया था। बीच-बीच में सफाई हेतु मैनहोल का भी निर्माण।

iii) पक्की ईंटो का प्रयोग किया गया था निर्माण कार्यों हेतु।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

iv) नगरों का विकास 2 या 3 स्तरों में हुआ था। कुछ नगरों के परकोटे भी थे।
ex- धौलावीरा का तीन स्तरों में निर्माण

v) घरों का मुख्य दरवाजा तथा खिड़कियाँ मुख्य मार्ग की तरफ नहीं होती थी।

vi) जल की व्यवस्था हेतु नहरों का निर्माण तथा पेयजल हेतु घरों के एक कमरे में कुए का भी निर्माण किया गया था।

vii) विशाल स्नानागार तथा अन्नागारों का भी निर्माण किया गया था।

viii) नगरों का विकास उनकी विशेषताओं के आधार पर हुआ था।

लोथल, चन्हुदड़ो → मनके तथा आभूषण बनाने के स्थल।

हड़प्पा सभ्यता संभवत् विश्व की पहली सभ्यता थी जिसके नगरों का निर्माण सुनियोजित तरीकों से किया गया था। ~~वर्तमान~~ में UN के अनुसार 2050 तक भारत की 50% आबादी शहरों में रहने लगेगी हमें भी नगर नियोजन को अपनाना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

5. जेट धाराएँ क्या हैं? उनके जलवायु महत्त्व पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10
What are jet streams? Discuss their climatic significance. (150 words) 10

जेट धाराएँ

क्षोभमंडल की ऊपरी परत में एक निश्चित वेग के साथ बहने वाली समानांतर धाराएं जो पश्चिम से पूर्व की ओर चलती है तथा विश्व की जलवायु को प्रभावित करती है।

जेट धाराओं का जलवायु महत्व :-

i) जेट धाराएँ अपने साथ आर्द्रता से भरी पवनों को लेकर चलती है जिससे वर्षा होती है
ex. → शीतकाल में भारत के उत्तरी क्षेत्र में होने वाली वर्षा जिसे मावठ कहते है।

ii) जेट धाराएं ~~वैश्विक~~ वायुराशियों जैसे पछुआ पवन को प्रभावित करती है जिससे वाताग्री वर्षा होती है ~~मध्य अक्षांशों~~ पर।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

iii) उष्णकटिबंधीय पूर्वी जेट प्रवाह जिसका जनन तिब्बत के पठार से मैडागास्कर के तट तक होता है। यह भारत की मानसूनी जलवायु को प्रभावित करती है।

iv) जेट धाराएँ प्रदेशों के तापमान में परिवर्तन लाती है।

~~v) धारि. जेट धारा~~

v) दक्षिण गोलार्द्ध में जेट प्रवाह अबाध रूप से जारी है जिससे वहाँ इसके कारण होने वाले प्रभाव कम नजर आते है।

जेट प्रवाह जलवायु में परिवर्तन लाकर मानवीय गतिविधियों तथा फसलों की उत्पादकता को प्रभावित करती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

6. मथुरा और अमरावती कला शैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10
Highlight the characteristics of Mathura and Amravati school of art. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दोनों मूर्ति निर्माण से संबंधित ~~मथुरा~~ कला शैली है।

मथुरा शैली	अमरावती शैली
i) इस शैली में बौद्ध जैन तथा ब्राह्मण धर्म से संबंधित मूर्तियों का निर्माण हुआ है।	i) यह कला शैली सामान्य जीवन से संबंधित पक्षों का प्रदर्शित करती है।
ii) इसमें मूर्ति निर्माण हेतु बलुआ पत्थर का प्रयोग किया गया।	ii) इसमें मूर्ति निर्माण हेतु संगमरमर/ग्रेनाइट का उपयोग किया गया।
iii) इसमें निर्मित मूर्तियाँ यथार्थवादी है।	iii) इसमें निर्मित मूर्तियाँ जिनमें मनुष्यों के ढाँचे को कुछ ज्यादा ही पतला बनाया गया है।
iv) इस शैली का विकास कुषाण काल में हुआ था।	

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अमरावती तथा मथुरा कला शैली ने भारतीय स्थापत्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मथुरा कला शैली में बिना सिर वाली मूर्ति प्रसिद्ध है।

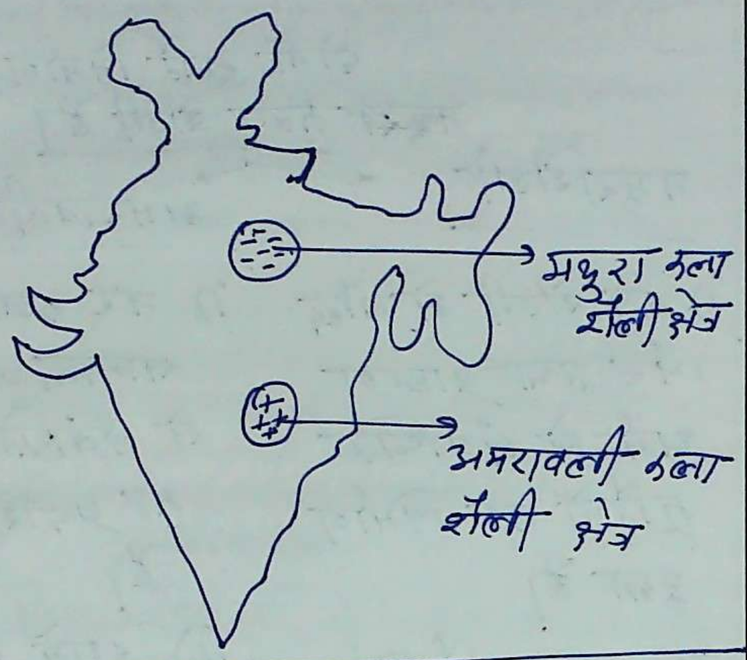

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. भारत छोड़ो आंदोलन को विभाजन और स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर सबसे बड़े साम्राज्यवाद विरोधी संघर्ष के रूप में वर्णित किया गया है। इस संबंध में भारत छोड़ो आंदोलन की प्रकृति पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The Quit India Movement has been described as the most massive anti-imperialist struggle on the eve of Partition and Independence. In this regard discuss the nature of the Quit India Movement. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत अगस्त 1942 में हुई थी। जिसमें गाँधीजी ने 'करो या मरो' का नारा दिया था।

i) यह आंदोलन स्वत: स्फूर्त था।
↳ क्योंकि operation zero hour के तहत कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया था।

ii) इस आंदोलन के तहत द्वितीय श्रेणी का नेतृत्व विकसित हुआ। जिनमें जय प्रकाश नारायण, ऊषा मेहता आदि थे।

iii) इस आंदोलन के तहत अंग्रेजी सामान का बहिष्कार किया गया तथा कुछ छिटपुट हिंसात्मक घटनाएँ भी हुई।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

iv) इसके तहत भूमिगत रहकर लोगों ने कार्यवाही की।
↳ उषा मेहता ने रेडियो का संचालन किया।

v) कर्नाटक पद्धति का प्रयोग
↳ लोग दिन में खेतों में काम करते रात में तोड़फोड़।

vi) समानांतर सरकारों का गठन।
बलिया तथा सातारा में।

vii) इस आंदोलन में लोग स्वयं के निर्देशों से संचालित हो रहे थे फिर भी यह पिछले गांधीवादी आंदोलनों के आधार पर ही चलाया गया।

भारत छोड़ो आंदोलन में लोगों का व्यापक विरोध देखने को मिला मुस्लिम लीग, हिन्दू महासभा तथा साम्यवादी दल आंदोलन से दूर रहें बाकी सभी क्षेत्रों के लोगों की भागीदारी इस आंदोलन में रही।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. लौह और इस्पात उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारकों पर प्रकाश डालिये और पूरे भारत में उनके वितरण की रूपरेखा तैयार कीजिये। (150 शब्द) 10

Highlight the factors influencing the location of iron and steel industries and outline their distribution across the India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में लौह एवं इस्पात उद्योग का विकास अधिकतर कच्चे माल के समीप के क्षेत्रों में हुआ है। छोटानागपुर पठार इस मामले में सबसे आगे रही है।

लौह एवं इस्पात उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारक:—

i) कच्चे माल की अवस्थिति
↳ यह उद्योग भारहासी होते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

ii) बाजार की उपलब्धता

iv) उर्जा की उपलब्धता
↳ कोयला, विद्युत

v) श्रम की उपलब्धता

vi) तकनीक एंव पूंजी की उपलब्धता

vii) सरकारी नीतियाँ
↳ पिछड़े क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना हेतु रियायत प्रदान करना।

viii) परिवहन की सुविधा।

वर्तमान में बन्दरगाहों के समीप की आयात आधारित कच्चे माल पर का उपयोग करने कारण इन उद्योगों का विकास हो रहा है तथा कर्नाटक में गरसोप्पा जलप्रपात के कारण विद्युत की उपलब्धता ने वहाँ इस्पात उद्योग की स्थापना में महत्ती भूमिका निभाई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

9. उपयुक्त साक्ष्यों की सहायता से सागर नितल प्रसरण की अवधारणा को स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10
Elucidate the concept of sea floor spreading with suitable evidence. (150 words) 10

हैरी हेस ने सागर नितल प्रसरण सिद्धान्त की व्याख्या की। वर्तमान में प्लेट विवर्तनिकी सिद्धान्त इस सिद्धान्त को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

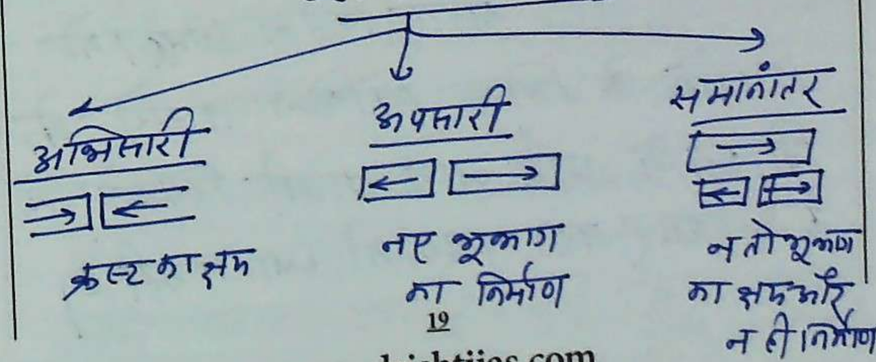

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

i) अटलांटिक महासागरीय रिफ्ट प्रतिवर्ष नए क्रस्ट का निर्माण करती है।
↳ बेसाल्टिक लावा प्रवाह

ii) महासागरीय रिफ्टों के आस-पास की चट्टानों की आयु। रिफ्ट से जैसे-2 दूरी बढ़ती है वैसे चट्टानों की आयु में वृद्धि होती है।

iii) अपसारी प्लेट संचलन पर नए क्रस्ट का निर्माण महासागरीय नितल प्रसरण को बढ़ावा देता है।

iv) पृथ्वी के आंतरिक भाग में चलने वाली संवहनीय तरंग तथा लावा का प्रवाह इसे और बढ़ाता है।

सागर नितल प्रसरण को समझने के लिए विभिन्न सागरों के नितल में पाई जाने वाली रिफ्ट घाटियों के आधार पर गणना की जा सकती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

10. पिछले दो दशकों में दक्षिण एशिया में बाढ़ का ज्यादा असर शहरी इलाकों में देखा जा रहा है। इस कथन के आलोक में नगरीय बाढ़ के कारणों की विवेचना कीजिये तथा इससे निपटने के उपायों का सुझाव भी दीजिये। (150 शब्द) 10

In the last two decades, floods in South Asia have become urban. In the light of this statement discuss the causes of urban flooding and suggest measures to tackle it. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बाढ़ में बहुत कम समय में अधिक जलराशि के जमा हो जाने को शामिल किया जाता है जिससे जनजीवन प्रभावित होता है।

नगरीय बाढ़ के कारण :-

i) अनियोजित नगरों का विकास
↳ पर्याप्त जलनिकास प्रणाली का अभाव

ii) जल अपवाह व्यवस्था का अभाव

iii) नगरों के आसपास की नदियों तथा आर्द्रभूमियों में अतिक्रमण
→ बंगलौर में लगभग 90 आर्द्रभूमियाँ थी अब 10 के आस-पास बची है
→ दिल्ली में यमुना का अतिक्रमण
→ मुंबई में मीठी नदी का अतिक्रमण।

iv) थोड़ी वर्षा होने पर ही शहरों में जलभराव की समस्या उत्पन्न होती है जैसे यातायात प्रभावित होने के साथ नए-नए रोगों का प्रसार होता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

v) शहरों की ओर लोगों के पलायन से स्लम बस्तियों का निर्माण हो रहा जिससे खाली जगहों का अतिक्रमण।

नगरीय बाढ़ से निपटने के उपाय :-

i) नगरों का नियोजित विकास।
↳ 2050 तक भारत की 50% आबादी शहरों में रहने लगेगी।

ii) नदियों, नालों तथा आर्द्रभूमियों पर किए गए अतिक्रमण को हटाना।

iii) पर्याप्त ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण तथा शहरों में पार्क्स (पार्क) के निर्माण को बढ़ाना ताकि जल का अवशोषण कर सके।

iv) समय पर नालों की सफाई तथा नदियों से गाद निकालना।

जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा आवृत्ति और तीव्रता प्रभावित हो रही है इसलिए भारतीय शहरों के नियोजन को ध्यान में रखते हुए SMART शहरों का विकास किया जाना चाहिए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. बौद्ध सिद्धांत ब्राह्मणवादी परंपराओं की तुलना में सामाजिक रूप से अधिक समावेशी था लेकिन इसका उद्देश्य सामाजिक मतभेदों को समाप्त करना नहीं था। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15
Buddhist doctrine was more socially inclusive than Brahmanical traditions but it did not aim at abolishing social differences. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उत्तरवैदिक काल में विकसित हुई श्रमण परंपरा ने ब्राह्मण धर्म में विकसित हुए आडंबरों तथा वर्णव्यवस्था का विरोध किया। इसी का अनुसरण करते हुए नए धर्मों जैसे बौद्ध एवं जैन धर्म का विकास हुआ।

* बौद्ध धर्म में उपलब्ध समावेशिता

i) इसने धर्म के सभी व्यक्तियों को समान माना।
↳ जाति-पाति तथा स्त्री-पुरुष के भेद को अस्वीकार किया।

ii) ब्राह्मण धर्म में प्रचलित वर्णव्यवस्था जिसने समाज में वर्ग विभाजन को बढ़ावा दिया था उसी के कारण आगे चलकर असंतुष्ट पक्षों ने बौद्ध

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

को स्वीकार किया तथा इसका संरक्षण किया।

iii) बौद्ध धर्म में मध्यम मार्ग को अपनाया गया।

iv) सभी के लिए पाँच नियम बनाए गए।
↳ सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह तथा ब्रह्मचर्य।

बौद्ध धर्म का उद्देश्य है -

i) बौद्ध धर्म का उद्देश्य ब्राह्मण धर्म में आ गई बुराइयों को समाप्त करना था।

ii) समाज के सभी वर्गों को समान अधिकार प्रदान करना था।

iii) धार्मिक आडंबरो, जातिप्रथा, पशुबलि आदि का विरोध।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

किन्तु बौद्ध धर्म के उदय ने ब्राह्मण धर्म के अनुयायियों को असंतुष्ट कर दिया जिससे दोनों धर्मों के अनुयायियों में विरोध की भावना ने जन्म लिया।

i) मौर्य वंश के विनाश के पश्चात् शुंग वंश (ब्राह्मण धर्म) ने मौर्यकाल में निर्मित स्तूपों का नाश किया।

ii) दोनो धर्मों के विरोध ने समाज में अव्यवस्था उत्पन्न की।

iii) वर्णव्यवस्था में ऊपर आने वाले वर्गों ने बौद्ध धर्म का विरोध करने के लिए विभिन्न शासकों को समर्थन दिया।

यद्यपि यह विवाद समाज में व्याप्त था किन्तु समय-समय पर समाज इस तरह की भिन्नता का विरोध करने हेतु नए-नए आंदोलन हुए जिन्हें भक्ति आंदोलन के सन्दर्भ में समझा जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. "उपनिवेशवाद भारत के आर्थिक विकास में मुख्य बाधा था।" इस कथन के आलोक में नरमपंथियों के योगदान को उजागर कीजिये, जो 19वीं शताब्दी में उपनिवेशवाद की आर्थिक आलोचना को विकसित करने वाले पहला गुट था। (250 शब्द) 15

"Colonialism was the main obstacle to India's economic development". In the light of this statement bring out the contribution of Moderates, who were the first to develop an Economic critique of colonialism in the 19th century. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपनिवेशवाद से तात्पर्य है किसी देश द्वारा अपने आर्थिक हितों की पूर्ति हेतु अन्य देशों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करना।

उपनिवेशवाद के घटक
- साम्राज्यवाद
- उपनिवेश से कच्चे माल की आपूर्ति
- मातृदेश के तैयार माल हेतु उपनिवेशों में बाजार विकसित करना।
- उपनिवेश के खनिज पूंजा धनो का दोहन मातृदेश के हित में करना।

पुनर्जागरण काल ने यूरोपीय देशों में हुई नई खोजों, धर्म सुधार तथा औद्योगिकीकरण ने उपनिवेशवाद को बढ़ावा दिया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में उपनिवेशवाद की अवधारणा तथा धन निष्कासन से लोगों को अवगत कराने में नरमपंथियों का योगदान

i) 1885 में कांग्रेस के गठन के साथ शुरूआती दिनों में इस पर नरमपंथी दल के नेताओं का प्रभाव रहा।
 → दादाभाई नौरोजी, गोखले, रानाडे

ii) नरमदल के नेताओं ने याचिकाओं के माध्यम से लोक सेवाओं में भारतीयों के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने तथा शासन में भारतीयों भागीदारी बढ़ाने तथा ब्रिटिश रूलों को भारत में लागू करने हेतु सिफारिशें की।

iii) दादाभाई नौरोजी प्रथम भारतीय थे जिन्होने भारत से धन बहिर्गमन के सिद्धान्त की व्याख्या अपने लेख Poverty and unbritish rule in india में की।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

iv) दादाभाई नौरोजी ब्रिटिश संसद के भी सदस्य रहे तथा वहाँ भी भारतीय के हितों को उठाया।

v) नरमदल के नेताओं ने निष्क्रिय विरोध की नीति को अपनाया था।

किन्तु बंगाल विभाजन के दौरान गरमपंथी इनकी नीतियों से असंतुष्ट हुए क्योंकि उनका मानना था कि नरमपंथी साल मे एक बार सम्मेलन करके मेढक की तरह टर्राते है जिसे अंग्रेज सुनते भी नहीं है।

इसलिए गरमपंथियों सक्रिय विरोध की रणनीति को अपनाया और ब्रिटिश वस्तुओं का बहिष्कार, स्वदेशी को प्राथमिकता तथा स्वराज की मांग पर बल दिया।

यद्यपि नरमदल के नेताओं ने समाचार पत्रों के माध्यम से लोगों मे ब्रिटिश साम्राज्य की नीतियों को लेकर जागरूकता उत्पन्न की।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

13. गुप्त युग को अक्सर सांस्कृतिक विकास के क्षेत्र में शास्त्रीय युग के रूप में वर्णित किया जाता है। चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

The Age of Guptas is often described as the classical age in the sphere of cultural development. Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गुप्त काल तीसरी सदी से छठी सदी तक रहा। इनमें हुए सांस्कृतिक विकास के कारण इस काल को स्वर्णकाल (कला के क्षेत्र में) की संज्ञा दी जाती है।

i) साहित्य का विकास

इस काल में कालिदास, वराहमिहिर जैसे लेखक तथा खगोलविद रहे थे। कालिदास ने संस्कृत की नाटक विधा तथा खण्ड काव्यों के विकास महत्वपूर्ण योगदान दिया।

↳ ऋतुसंहार, विक्रमोर्वशीय, मालविकाग्निमित्रम, मेघदूत आदि (शूद्रक की मृच्छकटिकम्)

ii) स्थापत्य का विकास :-

इस काल में मंदिर निर्माण कला का विकास हुआ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जिसमें ऊँचे चबूतरे पर इनका निर्माण किया जाता था।
जैसे → देवगढ़ का दशावतार मंदिर

iii) मेहरौली का लौह स्तंभ
↳ पॉलिश की नई विधि का विकास। यह स्तंभ आज भी जंगमुक्त है।

iv) इस काल में सोने के सिक्कों का प्रचलन ~~हुआ~~ बढ़ा। सिक्कों पर राजाओं ~~की~~ तथा देवी देवताओं के चित्रों के साथ वाद्ययंत्रों के चित्र भी बनाए गए।
↳ समुद्रगुप्त को वीणा बजाते हुए दिखाया गया है।

v) चित्रकला :-
अजंता की गुफाओं में गुप्तकालीन चित्रकारी के साक्ष्य प्राप्त हुए है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

vi) इस काल में शूद्रों को भी वेद सुनने की अनुमति दी गई।

vii) नृत्य की अनेक विधाओं का जन्म हुआ।

गुप्तकाल को सांस्कृतिक विकास के कारण स्वर्णयुग की संज्ञा दी जाती है तथा इस काल में साम्राज्य का विस्तार पूरे भारत मे हुआ। किन्तु निम्न वर्ण की ~~स्थि~~ दशा खराब हुई। चण्डालों को दिन में सड़को पर चलने की अनुमति नही थी उन्हें केवल रात्रि में ही घर से निकलने की अनुमति थी और सड़क पर चलते वक्त लाठी से आवाज करनी पड़ती थी ताकि उनके आने की सूचना मिल जाए और लोग ~~उनसे~~ उनसे दूर हो जाए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. हिमनद प्रतिक्रिया से संबंधित विभिन्न अपरदन और निक्षेपण भू-आकृतियों की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Discuss the various erosional and depositional landforms associated with glacial action. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हिमनद प्रतिक्रिया केतहत हिमानी के प्रवाह के कारण अपरदित तथा निक्षेपणात्मक भू-आकृतियों का विकास होता है।

अपरदित भू-आकृतियाँ :-

i) सर्क :- हिमानी के अपरदन से नुकीला कार आकृति का निर्माण

ii) टॉर्न :- विभिन्न सर्कों के संयोजन से निर्मित आकृतियाँ

iii) झील :- स्थल में होने वाले गड्ढे जिनमें पानी भर जाता है। → हिमालय में

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

iv) U आकार की घाटियाँ :-

~~[illegible]~~ हिमानी के पीछे हटने से निर्मित घाटियाँ।

v) फिओर्ड :- बड़े आकार की घाटियाँ जिनमें समुद्री जल भर जाता है ~~ex~~ नार्वे एवं स्वीडन में

निक्षेपणात्मक भू-आकृतियाँ

i) हिमानी धौत मैदान

हिमनद के द्वारा लाए गए ~~[illegible]~~ अवसादों के निक्षेपण से निर्मित मैदान।

ex → कश्मीर घाटी में करेवा के निर्मित मैदान

ii) ड्रमलिन :- अंडे के आकार की स्थलाकृतियाँ जिनका निर्माण हिमानी के नीचे ~~जमा~~ अवसादों के जमने के कारण होता है।

(अंडे की टोकरी आकृति है)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

iii) एस्कर :- हिमनिक्षेपों का टीला जिसका आकार बड़ा होता है।

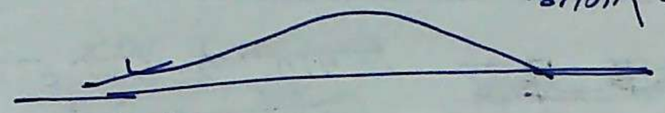

iv) हिमोढ़ :- हिमनद के अगल-बगल तथा नीचे अवसादों का ~~[illegible]~~ क्षैतिज निक्षेपण

हिमानी निर्मित झीलों में जलवायु परिवर्तन के कारण जल की मात्रा बढ़ने तथा तटबंधों के टूटने से बाढ़ की समस्या की बारंबारता में वृद्धि हो रही है।

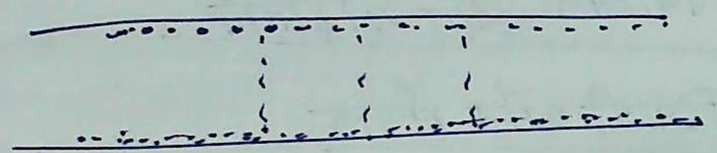

(ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

15. असहयोग आंदोलन अपनी विफलता के बावजूद भारतीय इतिहास में राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के संबंध में बहुत महत्त्व रखता है। विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

In spite of its failure the Non-Cooperation Movement has great significance in Indian history in relation to the political and social sphere. Analyse. (250 words) 15

असहयोग आंदोलन की शुरुआत 1920 में हुई थी जो 1922 तक चला था।

असहयोग आंदोलन का महत्व :-

i) हिन्दू तथा मुस्लिम (खिलाफत) दोनों धर्मों के लोगों ने मिलकर अंग्रेजों का विरोध किया।

ii) गांधीजी के नेतृत्व में चलाया गया पहला राष्ट्रीय आंदोलन था। जिसमें समाज के अधिकतर वर्गों की भागीदारी थी।

iii) सत्य और अहिंसा जैसे विचारों के साथ इस आंदोलन को चलाया गया जिससे जनभागीदारी में वृद्धि हुई।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

iv) अंग्रेजों के विरुद्ध उमड़ रहे भारतीयों के रोष को प्रकट करने का एक जरिया मिला।

v) महिलाओं ने भी इस आंदोलन में भाग लिया। महिलाएं घरों से बाहर निकलने लगी।

vii) छात्रों ने व्यापक रूप से सहभागिता निभाई।

viii) विदेशी वस्तुओं के व्यापक विरोध से स्वदेशी को बढ़ावा मिला।

1922 में चौरा-चौरी काण्ड होने के पश्चात् गांधीजी ने इस आंदोलन को वापस ले लिया किन्तु यह आंदोलन जनअसंतोष को

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

व्यक्त करने में सफल रहा तथा इसके पश्चात् गांधीजी ने रचनात्मक कार्यों के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को जोड़ा।

रचनात्मक कार्य

- खादी का प्रसार
- चरखा चलाना
- समाज के वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने हेतु प्रयास।
  - मन्दिरों में प्रवेश
  - सामूहिक भोज आदि

असहयोग आंदोलन की विफलता ने युवाओं में क्षोभ उत्पन्न किया तथा गांधीवादी मूल्यों के प्रति शंका व्यक्त की और युवा क्रांतिकारी आंदोलन की ओर बढ़े।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. क्रांतिकारी उग्रवाद ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ 20वीं शताब्दी की शुरुआत के दौरान अत्यधिक प्रेरित राष्ट्रवादी युवाओं की एक पीढ़ी द्वारा अपनाई गई राजनीतिक कार्रवाई का रूप था। इस संबंध में क्रांतिकारी प्रवृत्तियों के कारणों और इसके पतन के लिये जिम्मेदार कारकों पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Revolutionary terrorism was the form of political action adopted by a generation of highly motivated nationalist youth during the start of the 20th century against British power. In this regard discuss the causes leading to revolutionary trends and factors responsible for its decline. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

असहयोग आंदोलन की विफलता ने युवाओं में आक्रोश उत्पन्न किया क्योंकि गांधीजी ने कहा था उन्हें स्वतंत्रता की प्राप्ति होगी किन्तु 1922 में चौरी-चौरा काण्ड के बाद आंदोलन वापस ले लिया जिससे क्रांतिकारी आंदोलन को बल मिला।

क्रांतिकारी प्रवृत्तियाँ एवं उनके कारण:-

i) पिस्तौल एवं बम की नीति को अपनाया। गांधीवादी अहिंसा के विचार से इनका भरोसा उठ गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

ii) व्यक्तिगत स्तर पर कार्यवाही करने को बढ़ावा मिला। प्रसिद्ध अंग्रेज प्रशासकों की हत्या।

iii) स्वदेशी वस्तुओं की लूट
ex- काकोरी कांड

iv) युवाओं को इस आंदोलन से जोड़ना।

v) गुप्त तरीके से गतिविधियों को अंजाम देना।

vi) भगतसिंह, बटुकेश्वर दत्त तथा राजगुरु ने लाहौर असेंबली में बम फेंका।

vii) आजाद, बिस्मिल, बाघा जतिन जैसे क्रान्तिकारियों ने नए संगठनों की स्थापना कर क्रांतिकारी गतिविधियों को बढ़ावा दिया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

~~पतन~~ पतन के कारण :—

i) बम और पिस्तौल की राजनीति ने लोगों को आकर्षित नहीं किया।

ii) समाज में इनकी विचारधारा का प्रसार कम था।

iii) व्यक्तिगत कार्यवाहियों के चलते बहुत से क्रांतिकारी मारे गए।

iv) क्रांतिकारी लोगों को अपनी विचारधारा से जोड़ने में असफल रहे।

v) अमेरिका के द्वारा मित्र राष्ट्रों की मदद करने के पश्चात् विदेशों में स्थित संगठनों के संचालन में बाधा उत्पन्न हुई।

क्रांतिकारियों ने अत्याचारी अँग्रेज प्रशासकों की हत्या की तथा युवाओं में नया जोश भरा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

17. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन ने 20वीं सदी के अंत में स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत के साथ एक बड़ी प्रगति की। विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

The Indian national movement took a major leap forward with the start of the Swadeshi Movement at the turn of 20th century." Analyze. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की शुरूआत 1857 की क्रांति से हुई जिसके पश्चात् बौद्धिकों द्वारा चलाए गए सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों (ब्रह्म समाज, आर्य समाज) तथा संगठनों के निर्माण (कांग्रेस) तथा समाचार पत्रों के प्रसार ने इसे आगे बढ़ाया।

i) 1885 में कांग्रेस की स्थापना के साथ ही भारतीय हितों को उठाया जाने लगा।
↳ धन बहिर्गमन का सिद्धान्त

ii) 1905 ~~तक~~ में बंगाल विभाजन तक नरमपंथियों का कांग्रेस पर प्रभाव बना रहा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

iii) बंगाल विभाजन के विरोध किए गए स्वदेशी आंदोलन में अपनाए जाने वाले तरीकों तथा प्रसार को लेकर नरमपंथी तथा गरमपंथियों में मतभेद उत्पन्न हुआ।

iv) यद्यपि स्वदेशी आंदोलन तक गरमपंथियों अंग्रेजों की नीतियों से सामान्य जनता को जागरूक किया इसी का परिणाम था कि युवाओं में अंग्रेजों को लेकर आक्रोश था।

v) स्वदेशी आंदोलन में अंग्रेजों के खिलाफ युवाओं का पहली बार संगठित विरोध सामने आया।

vi) इसमें स्वदेशी पर बल, बहिष्कार, ~~[illegible]~~ प्रतिरोध, स्वराज प्राप्ति आदि पर बल दिया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

vii) स्वदेशी आंदोलन का प्रसार देश के विभिन्न क्षेत्रों में हुआ।

viii) विभिन्न धार्मिक प्रतीकों का प्रयोग आंदोलन के दौरान किया गया।
- रक्षाबंधन
- गणेश पूजा।

स्वदेशी आंदोलन ने:

20 वीं सदी की शुरुआत अंग्रेजों के संगठित विरोध से की इसमें अपनाई गई प्रणालियाँ स्वदेशी पर बल, बहिष्कार तथा प्रतिरोध एवं स्वराज प्राप्ति पर बल आगे भी असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन तथा भारत छोड़ो आंदोलन में दिखाई दी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों के बनने के कारणों की व्याख्या कीजिये। यह भी बताइये कि बंगाल की खाड़ी में अधिक उष्णकटिबंधीय चक्रवात क्यों आते हैं? (250 शब्द) 15

Explain the causes for the formation of tropical cyclones. Explain why there are more tropical cyclones in Bay of Bengal? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उष्णकटिबंधीय चक्रवात

निम्नवायुदाब के केन्द्र होते है जिनमें वायु बाहर से केन्द्र की ओर चलती है।

चक्रवात के बनने के कारण:-

i) समुद्री सतह पर बनते है चक्रवात

ii) जल की सतह का मिनिमम तापमान 27°C होना चाहिए।

iii) ITCZ की उपस्थिति

iv) कॉरियोलिस बल की उपस्थिति

v) वायु का संवहन तथा तीव्र गति से केन्द्र की ओर गमन / दाब प्रवणता बल की तीव्रता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बंगाल की खाड़ी में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की बारंबारता के कारण:-

i) बंगाल की खाड़ी में चक्रवात अप्रैल या नवंबर मे आते है।

ii) इन महीनों में या तो मानसून का आगमन या निवर्तन होता है।

iii) ITCZ इस समय बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में उपस्थित रहता है।

iv) बंगाल खाड़ी का तापमान अधिक रहता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

v) व्यापारिक पवनों की उपस्थिति तथा कॉरियोलिस बल के प्रभाव के कारण बंगाल की खाड़ी में इन समय चक्रवात आते है

vi) हुदहुद, फैलीन जैसे चक्रवातओं जिन्होने भयंकर तबाही मचाई।

vii) बंगाल खाड़ी आने वाले चक्रवात भारत के पूर्वीतट को प्रभावितकरते है तथा ~~कावेरी~~ कृष्णा एवं गोदावरी नदियों के डेल्टाई क्षेत्र में प्रवेश कर आंतरिक भाग को भी प्रभावित करते है

जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि से चक्रवातों आवृत्ति एवं तीव्रता में वृद्धि हुई है तथा अरब सागर तक भी इनका प्रसार हो रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. विभिन्न प्रकार के ज्वालामुखियों की चर्चा कीजिये और समझाइये कि विश्व के अधिकांश ज्वालामुखी परि-प्रशांत पेटी में क्यों स्थित हैं। (250 शब्द) 15

Discuss various types of volcanoes and explain why most of the world's volcanoes are situated along circum pacific belt. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ज्वालामुखियों के माध्यम से पृथ्वी के गर्भ से लावे का प्रवाह धरातल पर होता है।

i) सिंडर शंकु ज्वालामुखी :-

इसके माध्यम से ~~[illegible]~~ तरल मैग्मा का प्रसार होता है इनकी ऊँचाई कम होती है

ii) हवाईयन प्रकार के ज्वालामुखी

इनमे अधिक विस्फोट के साथ लावा बाहर आता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

iii) स्ट्राम्बोलियन ज्वालामुखी

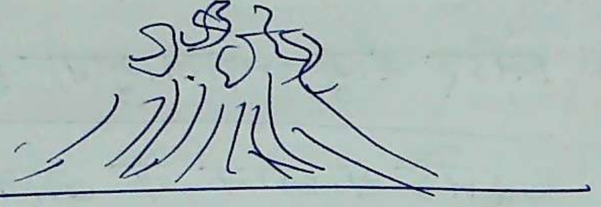

ये ज्वालामुखी भी तीव्र विस्फोट के जाक करते है तथा हवा मे राख के बादल छा जाते है।

iv) शांत दरार प्रकार के ज्वालामुखी

बेसाल्टिक लावा का प्रवाह।

विश्व के अधिकांश ज्वालामुखी परिप्रशांत मेखला में उपस्थित है इसे Ring of fire भी कहा जाता है।:—

i) यह मेखला प्लेटों के अभिसारी, अपसारी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

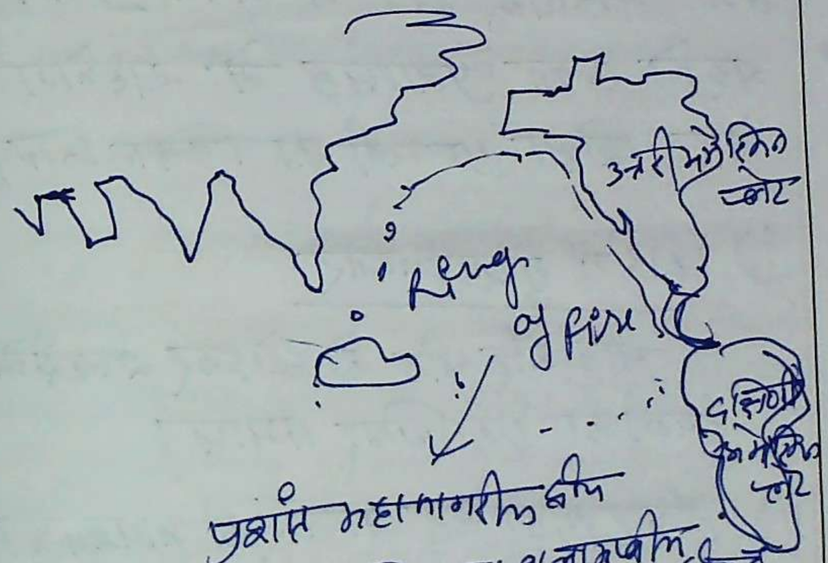

सीमांत पर स्थित है।

ii) इसमें प्लेटो की अभिसारी टक्कर से मुख्य, ज्वालामुखियों की उत्पत्ति होती है।

प्रशांत महासागर में प्लेट विवर्तनिकी हलचल के कारण अधिकतर ज्वालामुखियों का निर्माण हुआ है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. 19वीं शताब्दी में आधुनिक शिक्षा के विकास के लिये उत्तरदायी कारकों की समालोचनात्मक विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Critically examine the factors responsible for evolution of modern education in the 19th century. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

19 वीं सदी में अंग्रेजों द्वारा मुक्त व्यापार की नीति अपनाई गई तथा भारतीय क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाने तथा प्रशासन में सहयोग हेतु शिक्षा प्रणाली का विकास किया।

i) 1813 में मुक्त व्यापार
- चाय और चीन को छोड़कर ईस्ट इंडिया कंपनी का एकाधिकार समाप्त।

ii) तैयार माल हेतु बाजार की आवश्यकता।

iii) ~~1833~~ में लॉर्ड बैंटिक के समय भारत में शिक्षा के प्रसार पर बल दिया आंग्ल - प्राच्य विवाद।

iv) श्वेत भार का सिद्धान्त → काले लोगों को सभ्य बनाने हेतु

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

v) प्रशासन में सहयोग हेतु कर्मचारियों की आवश्यकता।

v) इन सभी कारणों से अंग्रेजों ने भारत में शिक्षा प्रदान करने का विचार किया। जो निस्यंदन सिद्धान्त पर आधारित थी।

vi) इसके पश्चात भारत के उच्च वर्ग एवं मध्यम वर्ग में शिक्षा का प्रसार हुआ।

v) मध्यम वर्ग में शिक्षा के प्रसार ने धार्मिक एवं सामाजिक सुधारों को प्राथमिकता दी तथा पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जिससे लोगों में जागरूकता बढ़ी।

vi) वुड डिस्पैच (1853) ने भी शिक्षा में योगदान दिया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

यद्यपि अंग्रेजों अपने हितों को साधने हेतु शिक्षा को शुरू किया था जो बाद में चलकर उनकी विरोधी बन गई।

i) शिक्षित वर्ग का उदय
ii) जागरूकता का प्रसार
iii) अंग्रेजो की नीतियों का विरोध
iv) स्वतंत्रता आंदोलनों की शुरुआत

अंग्रेजों द्वारा शिक्षा में भारतीय तथा बोलचाल में अंग्रेज बनाने की पद्धति ब्रिटिशकाल के लिए बाजार बनाने से प्रेरित थी किन्तु उनकी यह पद्धति उनके खिलाफ ही एक हथियार बन गई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work
(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation